कि. बा. हजारे (अण्णा)
K. B. alias Anna Hazare

राळेगण सिद्धी, तालुका पारनेर,
जिल्हा अहमदनगर (महाराष्ट्र)
पिन - ४१४३०२
☎ ०२४८८-२४०४०१/२४०२२७
www.annahazare.org

Ralegan Siddhi, Tal. Parner,
Dist. Ahmednagar (Maharashtra)
PIN - 414302
☎ 02488-240401/240227
Email: annahazareoffice@gmail.com

भ्र.वि.ज. ३६/२०१३-१४
दि: २८ नवम्बर २०१३

प्रति,
मा.मनमोहन सिंहजी,
प्रधानमंत्री,
भारत सरकार.

विषय: जनलोकपाल कानून बनवाने का आपने आश्वासन दे कर पालन ना करने का निषेध करने केलिए मैं मेरे गांव रालेगण सिद्धी में श्री संत यादव बाबा मंदिर में १० दिसंबर २०१३ से अनशन करने हेतु..

महोदय,

जनलोकपाल बिल लाने के लिए मैंने रामलीला मैदान में १६ अगस्त से १३ दिन का अनशन किया था और देश विदेश की जनता भी इस आंदोलन में रास्ते पर उतर गई थी। आपने मुझे २३ अगस्त २०११ को अनशन छोडने के लिए एक पत्र लिखा था। वह पत्र आपकी जानकारी के लिए साथ में जोड कर भेज रहा हूँ।

उसी तरह स्व.विलासराव देशमुख के हाथ आपने २७/८/२०११ को मेरा अनशन छोडने के लिए एक पत्र मुझे भेजा था। उसमें नागरिक संहिता, निचले स्तर के अधिकारी को लोकपाल के दायरे मे लाना और हर राज्य में लोकायुक्त लाना यह आपने मान लिया था। मैंने आपके पत्र पर विश्वास करके अपना अनशन समाप्त किया था।

दो साल के बाद आज मुझे अनुभव हो रहा है कि, आपने देश की जनता के साथ और मेरे साथ धोखाधडी की है।

दो साल लगातार, जनलोकपाल बिल आ जाए इसलिए मैं प्रयास करता रहा हूँ, और आप बारबार झूठे आश्वासन देते रहे हैं, लेकिन आप की सरकार ने दो साल में बार बार आश्वासन दे कर भी जनलोकपाल बिल नहीं लाया है। आपने जनलोकपाल के साथ अपने लिखित तीन मुद्दों पर मुझे आश्वासन दिया उसमें से एक भी मुद्दे पर दो साल में निर्णय नहीं हुआ।

आज मुझे अनुभव हो रहा है कि, देश में जो आंदोलन हुआ था, उस आंदोलन में शामिल जनता और मुझे चुप करने के लिए आपने मेरे साथ और देश की जनता के साथ झूठे आश्वासन दे कर धोखाधडी की है।

मेरे मन में आप एक अच्छे आदमी हैं, ऐसी आपकी प्रतिमा थी। मैंने कई बार कहा है कि, प्रधानमंत्रीजी एक अच्छे आदमी हैं। लेकिन सत्ता के लिए इतने झूठ बोल सकते हैं, इस पर मेरा विश्वास नहीं था। अगर पहले मुझे यह पता चलता कि देश की जनता के और मेरे साथ धोखाधडी हो रही है, तो मैं रामलीला का अनशन नहीं छोडता। २७ अगस्त २०११ को आपने तीन बातों पर लिखित आश्वासन दिया था। संसद में सर्वसम्मति से तीन मुद्दों पर एकमत हुआ था। दो साल में आपकी सरकार ने उस आश्वासन को पूरा नहीं किया।

२३ अगस्त २०११ और २७ अगस्त २०११ के पत्र में आपने क्या लिखा था। वह अब आपको याद नहीं होगा । आप भूल गए होंगे, इसलिए आपके पत्र की प्रति मैं आपको याद दिलाने के लिए भेज रहा हूँ। वह पत्र पढ कर आपको लगेगा कि, आपने कुछ गलती की है। लेकिन सत्ता के नशे में इतनी बेहोशी होती है, कि उसका याद आना भी मुश्किल होता है। श्रीमती सोनिया गांधीजी ने भी मुझे २४ जनवरी २०१३ को जनलोकपाल बिल लाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है ऐसा पत्र में लिखा है।

इसी तरह आपके कार्यालय से श्री. नारायण सामी जी के कई पत्र आए हैं। हर वक्त आपकी तरफ से आश्वासन देते रहे। उनका ०३/०९/२०१३ का एक पत्र जानकारी के लिए मैं भेज रहा हूँ।

आपकी सरकार में ऐसे झुठ बोलने वाले लोग शामिल होने के कारण इस देश का क्या होगा ऐसी चिंता निर्माण होती है। क्यों कि झूठ बोलनेवाले, देश को चलाने वालों से देश कभी तरक्की नहीं करेगा। 'सत्यमेव जयते' हमारे देश का आदर्श वाक्य है। सत्य के मार्ग से ही देश की सही भलाई हो सकती है।

इन्सान कितनी भी बडी सत्ता में रहे लेकिन उसमें बेईमानी निर्माण हुई तो एअर कंडिशन बंगले में भी नींद की गोली ले कर सोना पडता है। यह आप अनुभव करते होंगे। फिर भी आप ऐसी गलती क्यों करते हैं, ऐसा मेरे सामने प्रश्न है। मेरे जीवन में मैंने करोडों रुपयों की योजना अपनाई लेकिन ईमान नहीं छोडा। कहीं पर भी बँक बॅलन्स नहीं रखा है, ना कभी झूठ बोला। कहीं सत्ता हाथ में नहीं है। लेकिन मैं अनुभव करता हूँ लखपती, करोडपती को जो आनंद नहीं मिलता है वह आनंद मैं जनता और देश की सेवा में अनुभव करता हूँ। कारण झूठ का छोटा सा भी दाग जीवन में मैंने नहीं लगने दिया।

मुझे आश्चर्य लगता हैं कि, आपकी सरकार में इतने झूठ बोलने वाले लोग कैसे इकठ्ठा हो गए हैं। शुरु में तो मेरे उपर भी झूठे आरोप लगाते रहे।

पहले ज्वाईंट कमिटी बनाते समय झूठ, ज्वाईंट कमेटी की मीटींगें हो गईं उसमें झूठ, अण्णा का जनलोकपाल लाने में झूठ, आज तक इतने पत्र व्यवहार श्री. नारायण सामीजी ने किए लेकिन उन पत्रों में सच का अभाव रहा।

जनलोकपाल बिल संसद में एक दिन में सर्व सम्मति से पास हुआ, स्थायी कमेटी ने पास किया, राज्यसभा मे जांच के लिए सिलेक्ट कमिटी बनाई गई, उस कमेटी का अहवाल २३/११/२०१२ को आ गया था। अब सिर्फ राज्यसभा में चर्चा करना बाकी था, लेकिन एक साल पूरा हो गया है, अब तक चर्चा नहीं हो रही है कारण आपके सरकार की नीयत साफ नहीं है।

आपकी तरफ से आपके पत्र में कहा गया था कि, हम वित्तीय अधिवेशन में बिल लाएंगे, लेकिन बिल नहीं लाया। फिर कहा गया कि वर्षाकालीन अधिवेशन में बिल लाएंगे, लेकिन वर्षाकालीन अधिवेशन में भी बिल नहीं आया। अब शीतकालीन अधिवेशन आ रहा है। और यह इस लोकसभा का अंतिम अधिवेशन है।

एक साल राज्यसभा में चर्चा के अभाव से जनलोकपाल बिल पडा हुआ है। इतना समय बीतने का कोई खास कारण नहीं था। लोकपाल बिल लाने की नीयत साफ ना होने के कारण इतना समय गया। राज्यसभा में सबसे ज़्यादा सांसद ७१ सदस्य, आपकी पार्टी के हैं, यह सबसे बडा गुट है। लेकिन झूठी नीति के कारण बिल नहीं आ रहा है। आपने कई पक्ष और पार्टियों का विरोध होते हुए फूड सिक्योरिटी बिल, भूमि अधिग्रहण बिल, पेन्शन बिल, जेल में होते हुए चुनाव लडने वाला बिल, राष्ट्रपति पद का चुनाव इन सब में विरोध होते हुए सफलता पायी है लेकिन आपकी सरकार जनलोकपाल बिल नहीं ला रही है। इसका कारण क्या है? दिन ब दिन बढते हुए भ्रष्टाचार के कारण जनता का जीना मुश्किल हो गया है। महंगाई बढने के कारण हर व्यक्ति आजिज़ आ गया है।

देश की जनता पर आपकी सरकार की तरफ से जनलोकपाल बिल नहीं ला कर अन्याय हो रहा है। इसलिए मैं शीतकालीन अधिवेशन के शुरु के पहले दिन से रामलीला मैदान में अनशन करूंगा, ऐसा मेरे पहले पत्र में मैंने लिखा था। लेकिन मेरा ऑपरेशन होने के कारण, तबीयत ठीक ना होने के कारण डॉक्टर ने सफर करना मना किया है। इसलिए मैंने तय किया है कि, मेरे गांव रालेगन सिद्धी के यादव बाबा मंदिर में मेरा अनशन १० दिसंबर से शुरु कर रहा हूं।

जनलोकपाल बिल आने से अण्णा हजारे का क्या वैयक्तिक लाभ है? देश में सशक्त जनलोकपाल आने से भ्रष्टाचार पर रोकथाम लगेगी। और देश के सामान्य लोगों को लाभ मिलेगा इसलिए इसका जीवन में प्रयास कर रहा हूं। दूसरी बात यह है कि, सरकार का कर्तव्य होने के कारण जिम्मेदारी होने के कारण सरकार ने ऐसे कानुन बनाने जरूरी है।

जीवन में मैंने हमेशा अहिंसा मार्ग अपनाया है। कभी हिंसा नहीं की लेकिन, इस पत्र में मैंने शाब्दिक हिंसा की है। इसको मैं जानता हूँ। इसके लिए सरकार की गलती है। एक तरफ गरीब लोगों का भ्रष्टाचार ने जीना मुश्किल कर रखा है। और सरकार ने जनलोकपाल बिल कोई कारण ना होते हुए राज्यसभा में अटका कर रखा है। यह सरकार की गलती है। मजबूर होकर शाब्दिक हिंसा करनी पडी और ऐसी हिंसा समाज और देश कि भलाई के लिए करना मैं दोष नहीं मानता।

भवदीय,

आपला,
कि. बा. हजारे (अण्णा)

इस पत्र पर अन्त में अपना नाम अंकित कर जन हित में आप इसकी प्रतियाँ बाँट सकते हैं।
जितनी प्रतियाँ छाप कर वितरित हुई हों इसकी सूचना निम्न पते पर हमें कृपया अवश्य भेजें। धन्यवाद!

मुद्रक व प्रकाशक : **भ्रष्टाचार विरोधी जन आंदोलन न्यास,**
मु.पो. राळेगणसिद्धी, ता. पारनेर, जि. अहमदनगर ४१४३०२ (महाराष्ट्र) ☎ (०२४८८) २४०४०१, २४००१०
Email: annahazareoffice@gmail.com | bvjralegan@gmail.com
Webside: www.joinannahazare.org.in | www.Jantantra Morcha.org
अण्णाजी और आंदोलन को लाईव सुनने के लिए **09225223355** इस नंबरपर डायल करे.